A3

A4

A5

AT Home

NV

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–6)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/22 (O-A)–M–GSM (M-I)-2306	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Manisha Dharve Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): Hindi Reg. Number: DMNR-8298

Center & Date: Nehru Vihar 23/12/2022 UPSC Roll No. *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		5 (b)	
1 (b)		6 (a)	
2 (a)		6 (b)	
2 (b)		7.	
3 (a)		8.	
3 (b)		9.	
3 (c)		10.	
4 (a)		11.	
4 (b)		12.	
5 (a)			
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

A3

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) नैतिकता (Ethics) क्या है? क्या हम इस बात से सहमत हैं कि मानवीय व्यवहार में नैतिकता का अनुपालन किसी संगठन के बेहतर कार्यकरण को प्रोत्साहित करेगा? उदाहरण देते हुए पुष्टि कीजिये कि नैतिकता दिन-प्रतिदिन के कार्यकरण में संघर्षों को दूर करने में कैसे मदद करती है।
(150 शब्द) 10

What is ethics? Do we agree that adherence to ethics in human action would promote better functioning of an organisation? Substantiate by giving examples, how ethics helps resolve conflicts in day-to-day functioning.
(150 Words) 10

नैतिकता एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें समाज द्वारा स्वीकृत सिद्धांत, नैतिक मूल्य, आदर्शों का समुच्चय होता है जिनका पालन समाज और व्यक्ति से अपेक्षित होता है।

उदाहरण के तौर पर भारतीय समाज में बड़ों का आदर करना नैतिक व्यवस्था का हिस्सा माना जाता है।

मानवीय व्यवहार में नैतिकता का अनुपालन किसी संगठन के बेहतर कार्यकरण को निम्नलिखित रूप में प्रोत्साहित करेगा –

(i) यह संगठन को पालन करने हेतु निश्चित कार्यवाही का सेट प्रदान करते हैं
↳ नैतिक मूल्य (समयबद्धता,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्यों से संगठन की उत्पादकता बढ़ती है।

(ii) संगठन में क्षैतिज व ऊर्ध्वाधिर पारदर्शिता व जवाबदेहिता से उत्तरदायित्व की निश्चितता बनी रहती।

<u>नैतिकता दैनंदिन कार्यों में संघर्षों को दूर करने में सहायक</u>:- ~~प्रयास~~ किसी कंपनी में नैतिकता के पालन से उसे जनता का विश्वास प्राप्त होता, कर्मचारियों की कंपनियों के प्रति व प्रतिबद्धता बढ़ने से आंतरिक संघर्ष कम होता है

↳ कार्यकरण के निश्चित पालन से क्षैतिज व ऊर्ध्वाधिर संघर्ष की संभावना कम होती है।

↳ प्रत्येक कर्मचारी तथा अधिकारी के लिए '<u>क्या करें</u>' 'क्या न करें' के निर्देश होने से परस्पर हस्तक्षेप की संभावना कम होती है।

नैतिकता किसी संगठन के कार्यों में प्रभाविता, पारदर्शिता, जवाबदेहिता लाने के साथ ही उसकी उत्पादकता बढ़ाने एवं जनता में साख बढ़ाने में भी सहायक होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) अभिवृत्तियों के निर्माण के पीछे कारक क्या हैं? क्या अभिवृत्तियों में परिवर्तन लाने के लिये कोई उपकरण उपलब्ध हैं? उदाहरण सहित चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the Causative Factors behind the formation of Attitudes? Are there any tools available to bring change in attitude? Discuss with examples. (150 Words) 10

अभिवृत्तियाँ किसी मनोवैज्ञानिक विषय जैसे वस्तु, व्यक्ति, स्थान इत्यादि के देखकर उत्पन्न होने वाले सकारात्मक, नकारात्मक या तटस्थ भाव का समुच्चय होती है। जैसे वर्तमान भारतीय समाज में जाति व्यवस्था को लेकर नकारात्मक अभिवृत्तियाँ विकसित हो रही है।

<u>अभिवृत्तियों के निर्माण में कारक</u>:-

(i) <u>परिवार</u>:- किसी व्यक्ति के समाजीकरण में परिवार पहला व सन्निकट समूह होता है जो अभिवृत्ति निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाता

पितृसत्तात्मक अभिवृत्ति ← (अभिवृत्ति)

↓ नैतिक मूल्यों के प्रति ↳ (पालन करने अथवा नहीं पालन करने को लेकर

↓ परिवार के सदस्यों के अभिवृत्ति (सकारात्मक या नकारात्मक अभिवृत्ति

यदि परिवार पितृसत्तात्मक है तो व्यक्ति में यही अभिवृत्ति विकसित होने की अधिक संभावना होती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

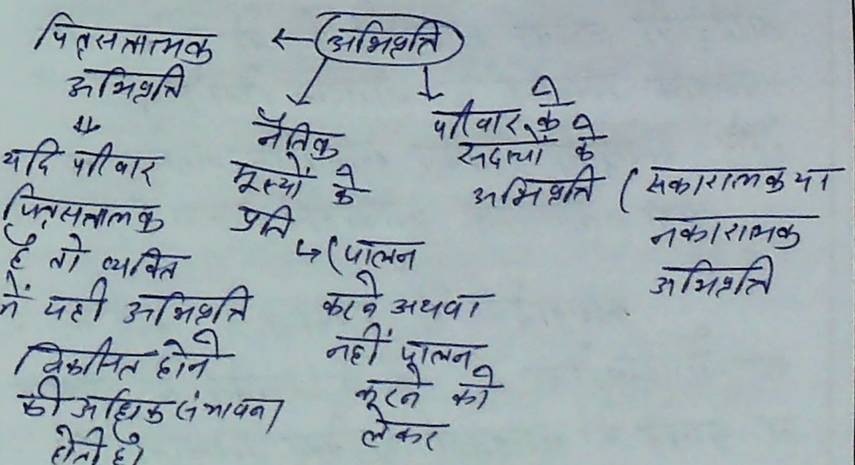

(ii) समाज:- समाज द्वारा अच्छा माने जाने वाली अभिवृत्ति व्यक्ति में भी सही मानने की प्रवृत्ति पायी जाती है जैसे - यदि समाज सांप्रदायिक अभिवृत्ति रखता है तब व्यक्ति भी सांप्रदायिक अभिवृत्ति विकसित कर सकता।

(iii) सांस्कृतिक कारक:- संस्कृति भी अभिवृत्ति निर्माण में सहायक होती है जैसे - भारतीय समाज में पशुओं-पक्षियों के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पायी जाती है।

(iv) ~~धर्म~~ धार्मिक कारक:- जैसे- बौद्ध धर्म में परोपकार का मूल्य स्वीकृत है अतः व्यक्ति दूसरों की मदद करने की सकारात्मक अभिवृत्ति रखता है।

(v) व्यक्ति का व्यक्तित्व - यदि व्यक्ति दब्बू, आक्रामक, बहिर्मुखी अथवा अंतर्मुखी है तो इसका भी अभिवृत्ति निर्माण में योगदान होता है।
जैसे- अंतर्मुखी व्यक्ति सामाजिक समारोह के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति रखता है।

अभिवृत्तियों के निर्माण में कई कारकों का योगदान होता है क्योंकि ये व्यक्ति के विकास व प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) किसी व्यक्ति की नैतिकता का आधार उसके शैक्षिक संस्थानों से प्राप्त मूल्यों से निर्धारित होता है। उपरोक्त दावे के आधार पर चर्चा कीजिये कि शिक्षण संस्थान किस प्रकार मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने में योगदान करते हैं। (150 शब्द) 10

The basis for a person's morality is laid by the values they acquire from their Educational Institutions. Discuss the aforementioned claim in light of how educational institutions contribute to the inculcation of values. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नैतिकता किसी संगठन, समूह अथवा समाज द्वारा स्वीकृत और पालन किए जाने वाले मूल्यों, आदर्शों व सिद्धांतों का समुच्चय होता है।

शैक्षणिक संस्थानों से प्राप्त होने वाले नैतिक मूल्यों अथवा नैतिक आदर्श निम्नलिखित होती है- (i) समयबद्धता:- शिक्षण संस्थानों का निश्चित कार्यसंचालन समय, पाठ्यक्रम का निश्चित सत्र, परीक्षा सत्र इत्यादि समय अनुरूप डिजाइन किए जाते है जिससे व्यक्ति में समय के प्रति अनुशासन का विकास होता है।
जैसे- स्कूलों का 10 बजे से 5 बजे तक ~~ब~~ चलना।

(ii) मेहनत, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्यों का विकास Home Work, class work असाइनमेंट, खेल व अन्य गतिविधियों के माध्यम से किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) अनुशासन का मूल्य विकसित होता है

(iv) सम्मान के मूल्यों को विकसित करने में सहायक ↳ शिक्षक, कर्मचारियों व सहपाठियों के प्रति।

(v) खेल गतिविधियों व अन्य के माध्यम से 'टीम वर्क', परोपकार, करुणा जैसे मूल्य व आदर्श की प्राप्ति होती है।

जैसे- कबड्डी के खेल से टीम वर्क का मूल्य

(vi) शिक्षण संस्थान केवल संस्थान के लिए आवश्यक मूल्यों का ही विकास नहीं करते बल्कि व्यक्ति व समाज हेतु महत्वपूर्ण माने जाने वाले मूल्यों का भी विकास करते हैं जैसे

↳ बंधुत्व का मूल्य
↳ राष्ट्रप्रेम का विकास
↳ वैज्ञानिक व तार्किक मनोवृति इत्यादि।

व्यक्ति के संपूर्ण विकास में शिक्षण संस्थानों, समाज व परिवार द्वारा जिवन भर मूल्यों व नैतिकता का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) वर्तमान में हम भारतीय नौकरशाही की मूल्य प्रणाली में गंभीर ह्रास देख रहे हैं। इस संबंध में, स्वामी विवेकानंद का जीवन सिविल सेवा की मूल्य प्रणाली को पुनः उन्मुख करने के लिये ज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत प्रदान करता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

We are currently observing a serious decline in the Indian bureaucracy's value system. In this regard, the life of Swami Vivekanand offers a significant source of knowledge for reorienting the civil service's value system. Comment. (150 Words) 10

भारतीय नौकरशाही से मूल्य प्रणाली और आदर्शों के पालन की अपेक्षा की जाती है ताकि कल्याणकारी राज्य, सुशासन, सुविधाप्रदाता, नागरिक चार्टर जैसी अवधारणाओं को साकार किया जा सके।

परंतु द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की चौथी रिपोर्ट 'शासन में नैतिकता' ने भारतीय नौकरशाही में मूल्यों के ह्रास को इंगित किया है जिसमें शामिल है-

↳ नौकरशाही की अभिजात्यवादी मानसिकता
↳ सेवा भावना की कमी
↳ योजनाओं, कार्यक्रमों व नीतियों के प्रति समर्पण की कमी
↳ भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ रही है।
↳ नौकरशाही में सत्यनिष्ठता, ईमानदारी, पारदर्शिता, और जवाबदेहिता जैसे मूल्यों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का ह्रास देखा जा रहा है।

विवेकानंद की शिक्षाएं जो भारतीय नौकरशाही हेतु प्रासंगिक है:- (1) सेवा भावना की बाध्यता- 'दरिद्र नारायण' के प्रति जिससे सेवा का लाभ वंचित व अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

(2) प्रतिबद्धता का मूल्य - "जब तक समाज में वंचित व अशिक्षित व्यक्ति मौजूद है तब तक प्रत्येक शिक्षित व सुविधा प्राप्त व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह उनके उत्थान हेतु कार्य करे।

(3) सार्वजनिक हित को केंद्र में रखना - "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न कर लो"

(4) आंतरिक ऊर्जा व शक्ति का महत्व - इसके कारण प्रशासक व संगठन की संपूर्ण उत्पादकता का प्रयोग हो सकेगा।

21वीं सदी की जनता की आकांक्षाओं व सीमित संसाधनों के परिप्रेक्ष्य में भारतीय नौकरशाही हेतु स्वामी विवेकानंद के आदर्श अत्यंत विचारणीय है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण आपके लिये क्या मायने रखता है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "जैसा साधन वैसा साध्य"। – महात्मा गांधी (150 शब्द) 10

"As the means, so the end". – Mahatma Gandhi (150 Words) 10

'जैसा साधन वैसा साध्य' वाक्यांश गांधीजी द्वारा परिणाम या लक्ष्य तथा उसके उपकरण, मार्ग अथवा माध्यम के बीच आंतरिक संबंध को इंगित करता है।

ये अत्यंत विचारणीय नैतिक मुद्दा है कि साधन महत्वपूर्ण या पवित्र होना चाहिए या साध्य पवित्र होना चाहिए।

जहाँ उपयोगितावादी अथवा तथा परिणामसापेक्षवादी साध्य अथवा परिणाम को केंद्रीय महत्व देते हैं तथा उसी से साधन की पवित्रता निर्धारित करते हैं। इनके लिए 'अधिकतम व्यक्तियों के सुख अधिकतम सुख' के लिए कोई भी माध्यम सही हो सकता है।

वहीं परिणाम निरपेक्ष वादी तथा गांधीजी का मानना है कि साध्य के साथ ही साधन की पवित्रता भी महत्वपूर्ण है इस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

संदर्भ में इनका प्रसिद्ध कथन है कि "~~बोये~~ बोए बबूल ~~के~~ के कांटे तो आम कहां से होए" अर्थात् यदि माध्यम अपवित्र तथा अशुद्ध है तो साध्य कैसे शुद्ध हो सकता है।

इसका उदाहरण चौरा-चौरी की घटना में देखा गया था जब जनता के उग्र प्रदर्शन व हिंसक होने पर असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया गया।

यह सही है कि पवित्र व शुद्ध साध्य के लिए ~~भी~~ साधन भी पवित्र व शुद्ध होना चाहिए क्योंकि साधन सामान्यतः ज्ञात होता है जिसे प्रबंधित, नियंत्रित अथवा संशोधित किया जा सकता है जो अज्ञात साध्य तक पहुँचने में सहायक होता है।

वर्तमान में आंतकवाद, मनीलांड्रिंग, जलवायु परिवर्तन, असमानता की बढ़ती प्रवृत्ति में साधन व साध्य ~~की~~ दोनों की पवित्रता व शुद्धता प्रासंगिक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) "आप किसी भी डर पर विजय प्राप्त कर सकते हैं यदि आप केवल दृढ़ निश्चय कर लें। याद रखें, डर केवल आपके मस्तिष्क में होता है।" – डेल कार्नेगी (150 शब्द) 10

"You can conquer almost any fear if you will only make up your mind to do so. For remember, fear does not exist anywhere except in the mind" – Dale Carnegie. (150 Words) 10

डर किसी अनिश्चित, विपरित अथवा असफल परिस्थिति उत्पन्न होने को लेकर उत्पन्न भय की मनः स्थिति होती है। जैसे किसी व्यक्ति का रात में सुनसान व अंधेरी सड़क पर चलने पर डर की भावना रहती है।

डर को नियंत्रित व विनियमित करने के कई उपकरण होते हैं जिनसे व्यक्ति आंतरिक सुसंगति बनाए हुए अपने कार्यों को आगे बढ़ा सके उन्हीं में से एक दृढ़ ~~निति~~ निश्चय।

दृढ़ निश्चय विपरीत व अनिश्चित परिस्थितियों व समय में व्यक्ति को भय कम करने, साहस प्रदर्शित करने, नेतृत्व करने, आवाज उठाने के लिए प्रेरित करता है ताकि व्यक्ति प्रतिकूल स्थिति से बाहर आ सके अथवा उन्हें न्यूनतम कर सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अरुणिमा सिन्हा जब रेलवे दुर्घटना में अपने दोनों पैर गवाँ चुकी थी साथ ही अपने आर्मी ज्वाइन करने के सपने को छोड़ चुकी थी तब अपने डर को कम कर उन्होंने माउंट एवरेस्ट को फतेह किया वह भी अपने दृढ़ निश्चय के सहारे।

यदि मस्तिष्क किसी डर या भय को उचित रूप से संतुलित कर ले तथा उसके सकारात्मक अभिप्रेरणा में तथा ऊर्जा में परिवर्तित कर दे तब असंभव व असाधारण लगने वाले कार्य भी पूर्ण हो जाते हैं।

यही मनोवृत्ति भारत-पाकिस्तान-1971 के युद्ध में भारतीय सैनिकों की देखी गयी थी।

इसलिए प्रसिद्ध उक्ति है कि 'डर के आगे जीत' है यदि डर पर उचित व वांछनीय नियंत्रण हो तब यह भी व्यक्ति की प्रगति में सहायक हो सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) "राजनीति में भाग न लेने की कीमत किसी अधीनस्थ द्वारा शासित होने के रूप में चुकानी पड़ती है।" - प्लेटो (150 शब्द) 10

"One of the penalties for refusing to participate in politics is that you end up being governed by your inferiors." – Plato (150 Words) 10

राजनीति में अक्सर प्रश्न उठता है कि क्या मतदाता को वोट देना चाहिए, अपना प्रतिनिधि चुनना चाहिए, क्या प्रतिनिधि से उसके कार्य-कारण इत्यादि के प्रश्न पूछना चाहिए।

राजनीति के इन्हीं नैतिक मुद्दों को प्लेटो का यह वाक्य कि "राजनीति में भाग न लेने की कीमत किसी अधीनस्थ द्वारा शासित होने के रूप में चुकानी पड़ती है" के रूप में उत्तर मिलता है।

यदि जनता राजनीति में हिस्सा नहीं लेती जिसमें वह वोट देने, सरकार से प्रश्न पूछने, प्रतिनिधि से उसकी नीतियों 'क्या किया जा रहा', 'क्या नहीं किया जा रहा' जैसे कार्य नहीं करती है तो वह किसी निरंकुश, तानाशाह व राजतंत्र की धुरी पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर खड़ी हो जाएगी। जहाँ जनता के हित के बजाय शासन करने वालों के निजी व व्यक्तिगत हित केंद्र में होंगे जिसकी प्रवृत्ति निम्नलिखित रूप में दिख सकती है-

- राजनीति का अपराधीकरण (45% भारतीय सांसद अपराधी)
- भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, कोनी कैपिटलिज्म जैसी प्रवृत्तियों का विकास
- सत्ता का केंद्रीयकरण, निरंकुश व तानाशाही स्वरूप का विकास होता है।

वर्तमान में भारतीय राजनीति में जनता की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास किए गए -

- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार।
- सूचना का अधिकार अधिनियम
- चुनावी बॉड की उपलब्धता
- पंचायती राज संस्थान की स्थापना।

निस्संदेह जनता की अधिकतम भागीदारी ही शासन व राजनीति को नैतिकता के लिए प्रेरित कर सकती है अन्यथा वह सदैव स्वयं के कमजोर व्यक्ति द्वारा शासित होने को मजबूर होगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) आधुनिक समय में नैतिक मूल्यों का संकट अच्छे जीवन की एक संकीर्ण धारणा में पाया जाता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The crisis of ethical values in modern times is traced to a narrow perception of the good life. Discuss. (150 Words) 10

नैतिक मूल्य किसी समाज द्वारा स्वीकृत नैतिकता का उप-समुच्चय होता है जिसमें उचित-अनुचित, वांछनीय-अवांछनीय, सही-गलत का वर्गीकरण लागू होता है।

जैसे - सत्य बोलना एक नैतिक मूल्य है जबकि असत्य बोलना अनैतिक मूल्य।

आधुनिक समय में अच्छे जीवन की संकीर्ण धारणा :- (i) अत्यधिक भोग करने की प्रवृत्ति को सही माना जाता है तथा इसे 'status symbol' के माना जाता है।

जिससे धन, वस्तु, सेवाओं के अत्यधिक संग्रहण की प्रवृत्ति जन्म लेती है।

(ii) भौतिकतावाद को केंद्र में रखने से व्यक्ति अपनी सहज आंतरिक चेतना व मूल्यों से भी दूर जा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) आधुनिक मूल्यों की संकीर्ण व्याख्या करना जैसे - स्वतंत्रता को केवल व्यक्ति के लिए मानना ~~न कि सम~~ वह भी समाज से स्वतंत्रता के रूप में न कि समाज में स्वतंत्रता के रूप में।

(iv) समानता की तरफ बढ़ते हुए भी आर्थिक असमानता, सामाजिक असमानता, लैंगिक असमानता में बढ़ोत्तरी हो रही है।

नैतिक मूल्यों का संकट :-

- व्यक्तिगत हित (स्वतंत्रता, प्रतिस्पर्धा, उत्कृष्टता) बनाम सार्वजनिक हित (समता, बंधुत्व, समन्वय) को लेकर द्वंद्व
- पारिवारिक मूल्य बनाम निजी मूल्य (विवाह संस्था को बनाए रखना बनाम लिव-इन रिलेशनशिप बनाए रखना)
- स्वयं की प्रगति बनाम समाज की प्रगति ('प्रथम' आना की धारणा बनाम समाज को 'प्रथम' बनाना)

नैतिक मूल्यों में भी सापेक्षिकता होती है किंतु वास्तविक संकट, आधुनिक जीवन की संकीर्ण धारणा में निहित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) सिविल सेवकों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के तरीकों पर चर्चा कीजिये और उन तरीकों पर प्रकाश डालिये जिनमें इसे प्रशासनिक कामकाज में लागू किया जा सकता है। (150 शब्द) 10

Discuss the ways to develop emotional intelligence among civil servants and highlight the ways in which it can be applied in administrative functioning. (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति की स्वयं की भावनाओं को प्रभावी प्रबंधन करने, भावनाओं को समझने (स्वयं व दूसरों की), उनका प्रबंधन करने तथा समाधान करने की क्षमता को कहा जाता है।

उदाहरण के तौर पर सिविल संगठन में कर्मचारियों की भावनाओं व अशांति का कारण समझ कर उनका प्रबंध करने पर संगठन के लक्ष्य व उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सिविल सेवकों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के निम्नलिखित तरीके हैं :-

(i) फील्ड ट्रेनिंग :- रिमोट एरिया में सिविल सेवकों की ट्रेनिंग होने पर उन्हें जनता की वास्तविक समस्याओं, आवश्यकताओं व स्थिति को समझने में सहायक होता है जिससे उनमें सेवा भावना का विकास होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(2) <u>बाध्यकारी अनुबंध</u> - प्रशासनिक अधिकारीयों को निश्चित निर्देश का पालन करने का कहा जाता जिससे इनमें सकारात्मक भाव विकसित हो सके।

(3) <u>रोल प्लेयिंग (प्लेयिंग</u> - जैसे ~~यदि~~ किसी IPS अधिकारी को आरंभिक प्रशिक्षण के दौरान एक SI के अंतर्गत कार्य प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वास्तविक स्थिति समझ सके।

<u>प्रशासनिक कामकाज में लागू करना:-</u>

(i) प्रशिक्षण, कार्यशालाओं, आदेश इत्यादि के माध्यम से।

(ii) 'टीम वर्क', खेलों व अन्य गतिविधियों के माध्यम से।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रशासन को स्वयं की उत्पादकता बढ़ाने व लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होने के साथ जनता की आकांक्षाओं का पूरा करने व उचित कार्य-संस्कृति निर्माण में सहायक होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. (a) 'अभिवृत्ति' शब्द से आप क्या समझते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसके घटकों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by the term 'Attitude'? Describe its components with suitable examples. (150 Words) 10

अभिवृत्ति किसी मनोवैज्ञानिक विषय जैसे व्यक्ति, वस्तु, स्थान इत्यादि को देखकर उत्पन्न सकारात्मक, नकारात्मक अथवा तटस्थ भाव की मनःस्थिति होती है। <u>जैसे</u>- वर्तमान भारतीय युवाओं में पश्चिमी संस्कृति के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति देखी जा सकती है।

अभिवृत्ति के घटक
- संज्ञानात्मक घटक
- भावनात्मक घटक
- व्यवहारात्मक घटक

<u>संज्ञानात्मक घटक</u>:- अभिवृत्ति में सामान्यतः एक विश्वास निहित होता है जो उसे प्राप्त जानकारी, सूचना, अनुभव इत्यादि से निर्मित होता है।

जैसे विद्यार्थी का किसी विशेष पाठ्यपुस्तक को ~~अधि~~ लेकर सकारात्मक अभिवृत्ति होती

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है क्योंकि उसे जानकारी प्राप्त है कि इससे परीक्षा में प्रश्न आएगे।

<u>भावनात्मक घटक</u> :- अभिवृत्ति में भावना का केंद्रिय महत्व होता है जो उसे निर्धारित करती है जैसे- माँ द्वारा भावनात्मक लगाव के कारण बच्चों की आवश्यकता की पूर्ति करने के कारण बच्चा माँ के प्रति सकरात्मक अभिवृत्ति रखता है।

<u>व्यवहारात्मक घटक</u> - किसी अभिवृत्ति में व्यवहारात्मक घटक उपस्थित हो सकता है और नहीं भी। इनमें संयोग का संबंध होता है
<u>जैसे</u> - पितृसतात्मक अभिवृत्ति होने पर व्यक्ति घर में महिलाओं के प्रति भेदभाव कर सकता है किंतु सार्वजनिक स्थल पर दबाव के कारण इस अभिवृत्ति के व्यवहार में परिणत होने की संभावना कम होती है।

अभिवृत्ति में सामंजस्य होने पर यह व्यक्ति की सहजता का साकार करती है तथा उसकी प्रगति में सहायक हो सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) एक शांतिपूर्ण और सहकारी समाज के लिये नैतिकता महत्त्वपूर्ण है। आपकी समझ के अनुसार मानव व्यवहार में नैतिकता को निर्धारित करने वाले तत्त्व कौन से हैं? (150 शब्द) 10

Ethics is important for a peaceful and cooperative society. What are the determinants of ethics in human actions as per your understanding? (150 Words) 10

नैतिकता एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें समाज द्वारा स्वीकृत नैतिक मूल्यों, आदर्शों, सिद्धांतों का समुच्चय होता है जिनका पालन करना समाज व व्यक्ति से अपेक्षित होता है।

नैतिक व्यवस्था में कुछ सार्वकालिक मूल्य होते हैं जैसे शांति, आनंद, सुख, करुणा इत्यादि ताकि समाज व व्यक्ति में बेहतर सामंजस्य बना रहे और व्यक्ति और समाज को विकास का पर्याप्त विकल्प व अवसर मिल सके।

चूंकि समाज में 'करणीय' या 'अकरणीय' के संबंध में निर्देश बने रहते हैं जिससे संघर्ष, कटुता, ईर्ष्या, घृणा, विद्वेष, अहिंसा की संभावना न्यूनतम की जाती है।

व्यक्ति व समाज परोपकार, शुचिता, करुणा, दया, हर्ष, आनंद जैसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मूल्यों के साथ आगे बढ़ते हैं जिससे समाज में शांति व सहकारिता बनी रहती है।

मानव व्यवहार में नैतिकता को निर्धारित करने वाले कारक

कर्ता | पीड़ित | प्रयोजन | परिस्थिति | परिणाम

सामाजिक दंड व्यवस्था के संचालन हेतु नैतिकता अनिवार्य होती है जैसे - हत्या किसी 7 वर्ष से कम बालक या मंदबुद्धि व्यक्ति द्वारा की गई तब न्याय व्यवस्था का न्याय अलग होगा परंतु यदि दुर्दांत अपराधी द्वारा हत्या की गई तब न्याय अलग होगा।

यदि किसी महिला का बलात्कार हो रहा है और वह उस व्यक्ति की आत्म रक्षा में हत्या कर देती है तब भिन्न न्याय होगा।

यदि किसी डॉक्टर द्वारा कैंसर का इलाज करने के दौरान व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है तब भी इसे नैतिक माना जाएगा।

नैतिकता में भी सापेक्ष स्थिति होती है किन्तु कुछ सार्वभौमिकता भी होती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6. (a) सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की भूमिका पर प्रकाश डालिये। यह उच्च सार्वजनिक पद में विवेक के प्रयोग को कैसे नियंत्रित करता है? (150 शब्द) 10

Highlight the role of ethics in public life. How does it regulate the exercise of discretion in higher public offices? (150 Words) 10

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता से आशय पब्लिक लाइफ में स्वीकृत नैतिक मूल्यों, आदर्शों व सिद्धांतों के समुच्चय से है जिनका पालन करने की ~~उचित~~ व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है।

उदाहरण के तौर पर सार्वजनिक अधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह नीतियों का कार्यान्वयन समयबद्ध रूप में करें।

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की भूमिका :-

(i) उचित कार्य-संस्कृति का निर्माण होता है उदा० - कॉर्पोरेट संस्थान में संस्कृति है कि कार्य समयबद्ध, परिणाम-उन्मुख होना चाहिए।

(ii) कुछ करने 'या' न करने' का निर्देश होता है जिससे जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो पाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) इसके सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, ईमानदारी जैसे मूल्यों का विकास होता है।

जैसे- RTI अधिनियम के लागू होने के बाद सूचना देना नैतिकता का हिस्सा माना जाता है।

उच्च सार्वजनिक पद में विवेक को नियंत्रित करने में नैतिकता की भूमिका :-

उच्च सार्वजनिक पद में कुछ विवेकाधीन शक्तियाँ व अधिकार होते हैं जिनका प्रयोग व्यक्ति स्वहित, व्यक्तिगत लाभ हेतु कर सकता है। जैसे- भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद इत्यादि।

~~नैतिकता~~ नैतिकता व्यक्ति को पद की गरिमा को बनाए रखने तथा पदीय कर्तव्य व सार्वजनिक हित को केंद्र में रखने को प्रेरित करते हैं जैसे- मेट्रो मैन श्री. धारन द्वारा समयपूर्व परियोजना पूरा किया जाना।

सार्वजनिक जीवन में नैतिकता अनिवार्य है ताकि सुशासन व नैतिक शासन की स्थापना 26 की जा सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) हमारे समय में व्यापक विश्वास की कमी से व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण से संबंधित कई परिणाम सामने आए हैं। विश्लेषित कीजिये। (150 शब्द) 10

The widespread trust deficit in our times has many consequences for personal and societal well-being. Explain. (150 Words) 10

विश्वास एक संज्ञानात्मक अभिवृत्ति होती है जो 'किसी में भरोसा', 'अस्तित्व होना', 'सच होने के रूप' में होती है। जैसे- ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास होना।

~~हमारे~~

हमारे समय में व्यापक विश्वास की कमी :-

(i) व्यक्ति के स्तर पर :- वर्तमान की अनिश्चित व तीव्र परिस्थितियों के कारण व्यक्ति का स्वयं पर भी विश्वास कम हो रहा है जैसे UPSC की परीक्षा में लगातार असफल होने पर व्यक्ति का स्वयं से विश्वास उठ जाता है।

(ii) समाज के स्तर पर - समाज में व्याप्त जाति-व्यवस्था, नस्लवाद, धार्मिक रूढ़िवाद, सांप्रदायिकता, रंगभेद इत्यादि में विश्वास में कमी की है। जैसे - भारतीय समाज में हिंदू व मुस्लिम संप्रदाय में विश्वास की कमी दंगों व हिंसा के रूप में सामने आई है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

27
www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iii) राष्ट्र-राज्य अथवा केंद्र-राज्य – राज्य व केंद्र में नीतियों, परियोजनाओं, कार्यक्रमों में विश्वास व सामंजस्य कम होने के कारण लक्ष्य की प्राप्ति में असफलता।

जैसे- मोटर वाहन अधिनियम के हालिया संशोधन

(iv) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर – आतंकवाद, संरक्षणवाद, युद्ध, शरणार्थी समस्या, मनी लॉन्ड्रिंग इत्यादि ने विश्वास में कमी की है जिससे देशों का एक-दूसरे पर भरोसा, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं (UNO, IMF, WB) पर विश्वास कम हुआ है।

इन सब के बरक्स कुछ विश्वास के बढ़ने के उदाहरण भी मौजूद है –

(i) एलन मस्क व उनकी कंपनी की हालिया उपलब्धियाँ

(ii) समाज में सौहार्द, बंधुत्व, जनता की बेहतरी

(iii) राज्य-केंद्र में नीति आयोग, प्रगति पोर्टल इत्यादि पर सहमति

(iv) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पेरिस कन्वेंशन, FATF की हालिया गतिविधियाँ।

विश्वास में वृद्धि आवश्यक है ताकि आंतरिक सुसंगति व सामंजस्य बना रहे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख / SECTION - B

7. आमतौर पर यह देखा गया है कि एक ओर भव्य पार्टियों और रेस्तराँ में बहुत अधिक भोजन की बर्बादी होती है, दूसरी ओर नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत के लगभग 30% लोग गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और उन्हें पौष्टिक भोजन प्राप्त करने में कठिनाई होती है। आप एक आकांक्षी जिले में जिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। हाल ही में आपके संज्ञान में एक रिपोर्ट आई है कि आपके जिले में भुखमरी के कारण कुछ बच्चों की मौत हो गई है। चूँकि, आप ठीक-ठाक पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हैं और भूख की गंभीरता के साथ आपका पहला अनुभव है, आप इस समस्या को हल करना चाहते हैं। इसके लिये आप किसी एनजीओ के साथ अभियान चलाना चाहते हैं। लेकिन एन.जी.ओ. आपको सूचित करता है कि यहाँ कुछ लोगों का अनदान के प्रति उदासीन रवैया है। जबकि आम जनता स्थिति से अनभिज्ञ है। अमीर वर्ग, जो इस अभियान में पर्याप्त सहायता कर सकते हैं, वह भोजन दान और संबद्ध सामाजिक कल्याण के प्रति अनिच्छुक है। उपरोक्त स्थिति के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (250 शब्द) 20

(a) इस मामले में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिये।

(b) इस स्थिति से निपटने के लिये अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपाय भी बताइये?

It is generally observed that there is a lot of food wastage at lavish parties and restaurants. On the other hand, as per the NITI Aayog's Multidimensional Poverty Index around 30% peoples of India are living below the poverty line and find it difficult to access nutritious food/ meal.

You are posted as the District Collector in an aspirational district. Recently, a report has come to your notice that a few children have died due to hunger prevailing in your district. Since you come from a humble background and have first-hand experience with the severity of hunger, you aspire to solve this problem. For this, you want to run a campaign with an NGO. But NGO informs you that here some people have an apathetic attitude towards the food donation. While the general public is unaware of the situation, the rich class is disinclined to food donations and associated social welfare that such a campaign can achieve.

Given the situation, answer the following questions: (250 Words) 20

(a) Identify the ethical issues involved in this case.

(b) Suggest short-term and long-term measures to deal with this situation.

उपरोक्त केस स्टडी बहुआयामी गरीबी में व्याप्त जनता व भव्य पार्टियों में संलग्न लोगों की एक साथ स्थिति द्वारा कंट्रास्ट दिखा रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हितधारक	हित
(1) बहुआयामी गरीबी में संलग्न जनसंख्या	→ पौष्टिक भोजन → जीवन की सुरक्षा → मृत्यु की घटनाएं → परिवार का लालन-पालन → सहायता प्राप्त करना
(2) जिले के अमीर व आभिजात्य वर्ग	→ भव्य पार्टियों का आयोजन व भोजन की बर्बादी → भोजन दान व सामाजिक कल्याण के प्रति अनिच्छुक
(3) गैर-सरकारी संगठन	→ सूचना देने में → लोगों की सहायता करने हेतु → जागरूकता फैलाने के लिए
(4) आम जनता	→ भुखमरी के प्रति उदासीन रवैया → अनभिज्ञता → सहायता प्रदान करने में
(5) जिलाधिकारी व राज्य	→ ~~लोगों~~ लोगों को भोजन उपलब्ध करवाना → राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों व गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार को सुनिश्चित करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(A) नैतिक मुद्दे:-

(1) भुखमरी:- बच्चों का भूख से मरना केवल भोजन की कमी या अपर्याप्त न होकर बहुआयामी गरीबी का परिणाम है। तथा ~~जिले~~ जिले की 'भविष्य के मरने' की घटना भी है।

(2) भोजन की बर्बादी - कुछ लोगों द्वारा खाने की बर्बादी की जा रही जो संसाधनों का केंद्रीयकरण करके रखते हैं।

(3) आम जनता व अमीर वर्ग की उदासीनता व सहायता करने की अनिच्छुक स्थिति के कारण स्थिति के ठीक होने की संभावना भी न्यूनतम है।

(4) 'जीवन का अधिकार' का प्रश्न क्योंकि यहां राज्य की भूमिका भी प्रश्न के घेरे में है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) इस स्थिति से निपटने हेतु उपाय:-

अल्पकालिक उपाय

↳ स्थानीय NGO के साथ मिलकर तथा पार्टियों व रेस्तराँ के मालिक से बातचीत कर बर्बाद हो रहे भोजन का प्रबंध गरीब व बच्चों के लिए सुनिश्चित करवाती ताकि

↳ ताकि तात्कालिक तौर पर भोजन उपलब्ध हो

↳ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत व गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत भोजन व खाद्यान्न की उपलब्धता करवाना ताकि भोजन की सुनिश्चितता हो सके।

दीर्घकालिक उपाय

(i) जनता को गरीब व वंचित वर्गों के लिए जागरूक करना

↳ सहायता करने हेतु

- सूचना, शिक्षा व संचार द्वारा
- सोशल मीडिया के माध्यम से
- क्राउड फंडिंग का प्रयोग
- 'Donate Your Food' से 'Donate Your Extra Food' की धारणीय करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) अमीर व अभिजात्य वर्गों का गरीब लोगों के कल्याण व उन्नति के लिए सहायता करने हेतु प्रेरित करना

↳ "समाज के एक घर की गरीबी दूसरे घर की गरीबी व अपराध का कारण बन सकती है।"

↳ सामाजिक दायित्व निभाने हेतु प्रेरित करवाती

↳ 'Social Fund' का निर्माण करना

↳ गरीबों व वंचितों की सहायता हेतु

(iii) सरकारी नीतियों व कार्यक्रमों का क्रियान्वयन

↳ मनरेगा का क्रियान्वयन ताकि रोज़गार प्राप्त हो सके

↳ शिक्षा, स्वास्थ्य इत्यादि की सुविधा उपलब्ध करवाना ताकि लोगों के कौशल व उत्पादकता की स्थिति बेहतर हो।

↳ SDG लक्ष्यों का क्रियान्वयन।

गरीबी व भुखमरी का उन्मूलन सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति व एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सहायक होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली जीव विज्ञान की छात्रा रीना एक निम्न-मध्यवर्गीय परिवार की लड़की है। वह एक ऐसे गाँव में रहती है, जहाँ न तो कोई फार्मेसी है और न ही महिलाएँ सैनिटरी पैड के इस्तेमाल के लाभों से अवगत हैं। उसे पता चलता है कि इससे गाँव की महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला विकास निगम की प्रबंध निदेशक (MD) काजल ने रीना के स्कूल का दौरा किया। प्रबंध निदेशक के साथ बातचीत के दौरान, रीना ने अपने गाँव में सैनिटरी पैड की अनुपलब्धता और अवहनीयता के बारे में चिंता व्यक्त की। उसने स्कूलों में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के लिये सरकार से मदद की गुहार लगाई। जवाब में, प्रबंध निदेशक ने न केवल उसके अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया बल्कि अपमानजनक टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, "कल तुम कहोगी कि सरकार को जींस भी बाँटनी चाहिये। और उसके बाद कुछ सुंदर जूते, क्यों?"

इस तरह का असंवेदनशील जवाब लोक सेवकों की नैतिक क्षमता और संवेदनशील मुद्दों को संभाल सकने तथा लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की उनकी क्षमता पर कई सवाल खड़े करता है।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (250 शब्द) 20

(a) नौकरशाहों के इस तरह के उदासीन व्यवहार के पीछे क्या कारण हैं?

(b) इस तरह के असंवेदनशील व्यवहार से बचने के लिये सेवाओं के विभिन्न स्तरों पर कौन-से संभावित उपचारात्मक उपाय किये जा सकते हैं?

(c) सैनिटरी पैड तक पहुँच की कमी और मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता की समस्या के समाधान के लिये क्या उपाय किये जा सकते हैं?

Reena, a biology student in the eleventh grade, comes from a low-income family. She comes from a village where neither there is a pharmacy nor are ladies aware of the advantages of using sanitary pads. She discovers that this has a negative impact on the health of the village's female residents.

On International Women's Day, Kaajal, the Managing Director (MD) of Women Development Corporation, visited Reena's school. During the interaction with MD, Reena raised her concern regarding the non-availability and unaffordability of sanitary pads in her village. She asked for the government's help to provide sanitary pads in schools. In its reply, MD not only denied accepting her request but also passed a derogatory remark. She said, "Tomorrow you'll say the government should distribute jeans too. And why not some beautiful shoes, after that?"

This kind of insensitive reply raises questions about the ethical competence of civil servants, their ability to handle sensitive issues and fulfilling the fundamental needs of people.

In this context answer the following questions: (250 Words) 20

(a) What are the reasons behind such apathetic behaviour of bureaucrats.

(b) What are possible remedial measures that can be taken at various levels of services to avoid such insensitive behaviour?

(c) What measures can be taken to address the problem of sanitary pads and mensural hygiene?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपर्युक्त केस स्टडी नौकरशाह के असंवेदनशील रवैया तथा महिलाओं की स्वास्थ्य की उपेक्षा को इंगित कर रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की हालिया रिपोर्ट में मासिक धर्म, सैनिटरी पैड तक महिलाओं की पहुंच की कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था।

इसमें शामिल :-

हितधारक	हित
① रीना व अन्य बालिका विद्यार्थी	→ निम्न मध्यवर्गीय परिवार से संबंध अतः क्रय क्षमता कम → स्वास्थ्य की उपेक्षा → सैनिटरी पैड की अनुपलब्धता व स्कूल का ध्यान नहीं देना → 'स्कूल जाने का अधिकार'
② महिला विकास निगम की प्रबंध निदेशक (काजल)	→ पदीय कर्तव्य की उपेक्षा → असंवेदनशील जवाब व अपमानजनक टिप्पणी → स्वयं महिला होकर भी महिला की स्थिति न समझना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ नैतिक मूल्यों का ह्रास

③ स्कूल ↳ विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना
↳ सैनिटरी पैड की अनुपलब्धता
↳ स्वच्छता का प्रश्न।

④ अन्य महिलाएँ व गाँव
↳ फार्मेसी की अनुपलब्धता
↳ सैनिटरी पैड की अनुपलब्धता
↳ महिला स्वास्थ्य का मुद्दा

(A) नौकरशाह के असंवेदनशील व उदासीन रवैया का कारण:–
↳ स्थानीय स्तर की समस्याओं व परेशानियों के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति का होना
↳ पदीय कर्तव्य के प्रति सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, शुचिता का अभाव।
↳ भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, क्रोनी-कैपिटलिज्म जैसी प्रवृत्ति का विकसित होना
↳ सेवा भावना का अभाव, सेवा के प्रति समर्पण का अभाव।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(B) संभावित उपचारात्मक उपाय:–

प्रशिक्षण – स्थानीय स्तर की वास्तविक समस्याओं, जैसे परेशानियों के बारे में तथा उनका समाधान करने में।

रिपोर्ट कार्ड निर्माण – जिसमें नौकरशाह द्वारा सार्वजनिक जीवन में किए जा रहे व्यवहार को रिकॉर्ड करना
↳ सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेहिता इत्यादि।

चयन के स्तर पर ऐसे व्यक्तियों का चयन जो समाज के वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता रखते हो तथा उनके प्रति करुणा हो।

क्षेत्र के स्तर पर – समय-समय पर औचक निरीक्षण, फील्ड दौरा जैसे कृत्य भी किए जा सकते।

मीडिया, सोशल मीडिया द्वारा भी इस संदर्भ में कार्य किए जा सकते हैं

(C) समस्या के समाधान के उपाय:–
↳ मासिक धर्म संबंधी स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाना
↳ विद्यार्थियों विशेषकर बालिका विद्यार्थियों के बीच और द्वारा
↳ पंचायत के स्तर पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ मीडिया, व सोशल मीडिया पर (Red to Root, 'Red is not Bad' जैसी टैग लाइन का प्रयोग।

↳ सैनिटरी पैड की उपलब्धता करवाना

↳ सेल्फ हेल्फ ग्रुप व NGO के माध्यम से

↳ सरकारी सहायता द्वारा

↳ दीर्घकालिक तौर पर [illegible] का भी निर्माण करवाया जा सकता है

महिलाओं के प्रति पारंपरिक धारणा के इतर वर्तमान में स्थानीय स्तर पर स्वच्छता व स्वास्थ्य की मांगे उठ रही है इसलिए प्रशासन को भी इनके साथ एकीकृत होकर नीतियों का क्रियान्वयन किया जाना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पर एक सदी पुराना पुल है। यह स्थानीय नगरपालिका प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में है। करीब 6 माह पूर्व नगर पालिका ने इस पुल की मरम्मत का टेंडर जारी किया था। यह टेंडर एक प्रतिष्ठित निजी कंपनी को दिया गया था। इस पुल की मरम्मत के बाद निजी कंपनी ने पुल को खोल दिया। हालाँकि, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, यह पुल उद्घाटन के दो महीने के भीतर ही ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 50 लोगों की मौत हो गई, जबकि ढहने के समय लगभग 400 लोग मौजूद थे।

आप ढहने के कारणों की जाँच करने के लिये सरकार द्वारा गठित एक विशेष जाँच दल (SIT) के अध्यक्ष हैं। जाँच के दौरान दोनों ओर से आरोप-प्रत्यारोप लगे हैं। स्थानीय नगरपालिका का आरोप है कि निजी कंपनी ने बिना फिटनेस सर्टिफिकेट लिये पुल को खोल दिया है। वहीं निजी कंपनी ने फिटनेस सर्टिफिकेट की फाइल पर एक महीने तक जवाब नहीं देने के कारण स्थानीय अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। लोगों की भावनाओं के साथ-साथ पुल को खोलने के दबाव को देखते हुए अगले महीने राज्य स्तरीय उत्सव होने वाला था, कंपनी ने पुल खोलने का फैसला किया। आगे की जाँच के दौरान, यह पाया गया कि पुल की मरम्मत में प्रयुक्त सामग्री अपेक्षित मानकों (बी.आई.एस. मानकों) के अनुरूप नहीं थी और पुल पर लगभग 400 लोग थे जबकि पुल की क्षमता 125 लोगों की थी।

उपरोक्त मामले के संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (250 शब्द) 20

(a) उपरोक्त मामले में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) एस.आई.टी. के अध्यक्ष के रूप में आप सबसे उपयुक्त कार्रवाई क्या करेंगे?

(c) एस.आई.टी. के अध्यक्ष के रूप में आप भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचने के लिये क्या उपाय सुझाएंगे?

There is a century-old bridge at a famous tourist spot. It is under the jurisdiction of the local municipal authority. Around 6 months ago, the municipality released a tender to repair this bridge. This tender was given to a private reputed company. After repairing this bridge, the private company opened the bridge. However, in an unfortunate event, this bridge collapsed within two months of its opening, resulting in the death of about 50 people.

You are the chairman of a Special Investigation Team (SIT) set up by the Government to investigate the cause of collapse. During the investigation, there are allegations from both sides. The local municipality alleged that the private company has opened the bridge without getting approval for a fitness certificate. On the other hand, the private company has blamed the local authorities who did not respond for a month on the file of the fitness certificate. Looking at people's sentiments as well as the pressure to open the bridge as a state-level festival was approaching in next month, the company decided to open the bridge. During further investigation, it is found that the material used in bridge repair was not in conformity with the requisite standards (BIS standards) and approximately 400 people were there on the bridge whereas the capacity of the bridge was 125 people.

Answer the following questions with reference to the above case: (250 Words) 20

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) What is the most appropriate action would you take as a chairman of SIT?

(c) As a chairperson of SIT, what measures will you suggest to avoid the repetition of such incidents in future?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपर्युक्त केस स्टडी विकास कार्यों में भ्रष्टाचार को इंगित कर रही है इसी प्रकार की घटना हालिया 'मोरबी पुल' मामले में देखी गई थी।

हितधारक	हित
① पर्यटक	→ जिनकी मौत हुई → दुर्घटना में शामिल थे → आगे के विकास कार्यों पर प्रश्न चिन्ह
② क्षेत्र के लोग	→ विकास कार्यों में भ्रष्टाचार स्थानीय उद्योगों (पर्यटन) को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा → भविष्य में रोजगार, विकास का प्रश्न खड़ा होगा।
③ नगरपालिका प्राधिकरण	↳ विकास कार्य संपन्न करवाने का कार्य ↳ फिटनेस सर्टिफिकेट जारी की कार्यवाही में देरी व लापरवाही करना ↳ भविष्य की विकास गतिविधियां प्रश्न के घेरे में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ भ्रष्टाचार की घटनाएं।

④ निजी कंपनी → पुल की मरम्मत में अपेक्षित सामग्री का प्रयोग न करना।
↳ निजी कंपनी का सार्वजनिक हित के ऊपर कंपनी के संकीर्ण हितों को केंद्र में रखना जिसके लोगों की जान गई।
↳ कंपनी की प्रतिष्ठा धूमिल

⑤ SIT गठन- ↳ मामले की बारीकी से जांच कर रिपोर्ट बनाना
↳ भविष्य में ऐसी दुर्घटना का दोहराव नहीं होने पाए इसकी सुनिश्चितता

नैतिक मुद्दे

(i) कंपनी का व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित (आर्थिक लाभ के लिए लोगों के जीवन से समझौता किया जाना)

(ii) नगरनिगम प्राधिकरण द्वारा भी कार्यवाही में देरी की गई तथा पर्याप्त जांच नहीं की गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(13) SIT के अध्यक्ष के रूप में उपयुक्त कार्यवाही ↳ मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना तथा हो सके तो वीडियोग्राफी व फोटोज का प्रयोग करना।

↳ नगरपालिका प्राधिकरण के, कंपनी व जनता के आरोप-प्रत्यारोपण जभी का स्पष्ट व क्रम में उल्लेख हो ताकि वास्तविक दोषी तक पहुँचा जा सके।

↳ मृतकों व पीड़ितों के लिए उचित मुआवजे की अनुशंसा

(14) ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचने के लिए अध्यक्ष के रूप में निम्नलिखित कार्य किए जा सकते हैं-

↳ मुख्य रिपोर्ट के समानांतर एक कवित्व के लिए रिपोर्ट बनाना

↳ जिसमें किसी परियोजना के लिए निश्चित मानक संचालन प्रक्रिया, प्रयुक्त सामग्री, निविदा का उल्लेख हो।

↳ पीड़ित, आरोपी, लाभार्थी इत्यादि के लिए दंड, मुआवजे इत्यादि के लिए स्पष्ट आँकड़ों व तथ्यों को शामिल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

करना।

↳ परियोजना में पर्याप्त पारदर्शिता व जवाबदेही के लिए प्रावधान करना।

राज्य का कार्य केवल विकास कार्य संचालित करवाना ही नहीं होता बल्कि उनका लाभ भी पहुंचाना होता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. एक उच्च-स्तरीय सरकारी अधिकारी के रूप में, आप विकास परियोजनाओं की प्रगति की जाँच करने के लिये एक दूरस्थ गाँव में जाते हैं। एक गरीब परिवार की एक लड़की आपके पास एक निश्चित आयु की सभी स्कूल जाने वाली लड़कियों को साइकिल प्रदान करने की योजना के संबंध में अपील करती है। वह आपको बताती है कि उसके पिता उचित दस्तावेज़ों की व्यवस्था करने और समय पर आवेदन करने में विफल रहे। एक साइकिल से उसे स्कूल जाने में आसानी होती, ठीक वैसे ही जैसे उसने उसके दोस्तों के लिये किया है। हालाँकि सत्ता में नई सरकार द्वारा इस साल इस योजना को बंद कर दिया गया है। लेकिन उसकी मासूमियत और दुर्दशा ने आपको गहराई से छू लिया है और आप उसे खुशी देना चाहते हैं। यह देखकर आपके साथ जाने वाले अधीनस्थों में से एक आपको सुझाव देता है कि आप व्यक्तिगत रूप से उसे एक साइकिल उपहार में दें क्योंकि इसकी कीमत आप जैसे वरिष्ठ अधिकारी के लिये ज्यादा नहीं है।

क्या आप उसका सुझाव मानेंगे? आपने जवाब का औचित्य साबित कीजिये। (250 शब्द) 20

As a high-level government official, you visit a remote village to check the progress on the development projects. A girl from a poor family approach you with an appeal regarding a scheme to provide bicycles to all school-going girls of a certain age. She informs you that her father failed to arrange proper documents and apply on time. A bicycle would have eased her way to school just as it has done for her friends. However, the scheme has been discontinued this year by the new government in power. But her innocence and plight have deeply touched you and you want to bring joy to her. Seeing this, one of your accompanying subordinates suggests you to personally gift her a bicycle as its cost is not much for a senior officer like you.

Will you accept his suggestion? Justify your answer. (250 Words) 20

उपर्युक्त केस सरकारी नीतियों व योजनाओं के वास्तविक लाभार्थी तक पहुँचने में आवश्यक दस्तावेज की कमी के कारण पीछे छूट जाने की घटना है।

हित धारक	हित
① वह लड़की	↳ गरीब परिवार से संबंधित है अतः साइकिल खरीदने में असक्षम है ↳ वह स्कूल जाना चाहती है किन्तु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुदूर क्षेत्र होने के कारण समस्या का सामना
↳ वास्तविक दस्तावेज की व्यवस्था न कर पाने के कारण योजना से पीछे छूट गई है

② अन्य लड़कियाँ → क्योंकि अब योजना बंद हो चुकी है।

③ सरकारी अधिकारी के तौर पर 'मैं' स्वयं
↳ साइकिल खरीद के दे दूँ
↳ अन्य विकल्प

④ राज्य सरकार – योजना बंद कर चुकी है किन्तु सुदूरवर्ती क्षेत्र में अभी वे भी लड़कियों को स्कूल तक जाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है

इस स्थिति में मेरे अधीनस्थों ने मुझे सुझाव दिया कि व्यक्तिगत रूप से उस एक साइकिल उपहार के रूप में उस लड़की को दे दी जाए

गुण – ↳ उस लड़की को स्कूल जाने में आसानी होगी
↳ उसे खुश देकर मुझे भी अपनी परोपकारिता से खुशी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मिलेगी।

दोष → ऐसी घटनाएँ लगभग हर गाँव में देखने को मिलेंगी तब केवल व्यक्तिगत उपहार से काम नहीं चल पाएगा

↳ राज्य सरकार को लड़कियों की समस्या पर ध्यान देना चाहिए।

↳ आवश्यक दस्तावेज भी नहीं बन पाएँगे।

इस स्थिति में सबसे पहले राज्यसरकार को स्थिति से अवगत करवाने का प्रयास करेंगी ताकि सरकार इस संदर्भ में फिर से योजना शुरू कर सके अथवा वंचित लोगों को शामिल कर सके

↳ तब तक आवश्यक दस्तावेज का वितरण किया जा सकता है

↳ यदि राज्य सरकार योजना आगे बढ़ाने को तैयार न हो तब स्थानीय NGO व कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत इस दिशा में कार्य किया जा सकता है

यदि यह प्रयास भी असफल रहता है तब 'वार्षिक पंचायत' जैसी संस्थाओं के सहयोग से जागरूकता की व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की जा सकती है यदि यह प्रयास भी असफल रहे तब तब व्यक्तिगत उपहार के रूप में एक कोशिश की जा सकती है।

उच्चस्तरीय अधिकारी का कार्य केवल विकास कार्यों की प्राप्ति देखना ही नहीं होता बल्कि उसे अंतिम लाभार्थी तक पहुँचाना भी होता है। जो केवल आवश्यक दस्तावेज की कमी से वंचित न हो जाए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

11. सुहानी व्यावसायिक सरोगेसी के लिये व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले ज़िले के स्वास्थ्य विभाग में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। पिछले एक दशक में, ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहाँ भारत के विभिन्न हिस्सों से निःसंतान जोड़े (सेलिब्रिटिज सहित) और विदेशियों ने सरोगेसी के लिये वहाँ यात्रा की।

हाल ही में संसद ने व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पारित किया। उसे अपने ज़िले में कानून को लागू करने की ज़िम्मेदारी दी गई है। अपनी टीम के साथ मामलों की जाँच करते हुए उन्हें पता चला कि उनके करीबी रिश्तेदार, जो पिछले 10 वर्षों से निःसंतान हैं, ने सरोगेसी के लिये 2 लाख रुपए देकर एक गरीब महिला से संपर्क किया है। इस महिला को पैसों की सख्त ज़रूरत है क्योंकि उसके इकलौते बच्चे को गंभीर सर्ज़री की ज़रूरत है। (250 शब्द) 20

(a) मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिये।

(b) सुहानी के पास उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

(c) उसके लिये सबसे उपयुक्त विकल्प कौन-सा है और क्यों?

Suhani is a senior officer in the health department of a district widely known for commercial surrogacy. In the past decade, many cases were reported where childless couples (including celebrities) from different parts of India and foreigners travelled there for surrogacy.

Recently, Parliament passed a law banning commercial surrogacy. She is given the responsibility of implementing the law in her district. While investigating the cases with her team she came to know that her close relatives, who have been childless for the past 10 years, have contacted a poor woman by paying her Rs 2 Lakh for surrogacy. This woman is in dire need of money as her only child needs critical life-saving surgery. (250 Words) 20

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) Critically examine the options available with Suhani.

(c) Which is the most suitable option for her and why?

व्यावसायिक सरोगेसी के तहत निःसंतान जोड़े संतान प्राप्ति हेतु किसी संगठन के माध्यम से 'किराये की कोख' प्राप्त करते है।

वर्तमान में संसद द्वारा व्यावसायिक सरोगेसी को प्रतिबंधित किया जा चुका है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1 शामिल नैतिक मुद्दे व हितधारक व हित

1 हितधारक | हित

1 जुहानी – → वरिष्ठ अधिकारी के पदीय कर्तव्य का निर्वहन करना
→ निजी रिश्तेदार का व्यावसायिक सरोगेसी में लिप्त होना

2 निःसंतान माता-पिता → व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध अतः संतान सुख की प्राप्ति से वंचित

3 व्यावसायिक सरोगेसी में शामिल महिलाएं → रोज़गार व आजीविका का संकट
→ एक मात्र बच्चे के गंभीर स्वास्थ्य की सर्जरी।

नैतिक मुद्दे

1 निःसंतान माता-पिता को संतान सुख से वंचित किया जाना

2 जिले के रोज़गार व आजीविका के सामने प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न हो गई क्योंकि यह व्यावसायिक सरोगेसी हेतु

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

प्रसिद्ध क्षेत्र था

3 विदेशियों से प्राप्त विदेशी मुद्रा देश के मुद्रा भंडार में सहायक किन्तु प्रतिबंध व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध के कारण इसकी हानि होगी।

1 जुहानी के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प	गुण	दोष
1 कानून का पालन करे व लागू करवाए	• कानून का शासन बना रहेगा • व्यावसायिक सरोगेसी के नकारात्मक प्रभाव कम किए जा सकें • वंचना के कारण गरीब महिलाएं यहां नहीं आ पाएंगी	• निःसंतान माता-पिता संतान के सुख से वंचित होंगी • यह व्यावसायिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध होगा अनुच्छेद-19(1) • विदेशी मुद्रा की हानि • जिले के रोज़गार व आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव होगी
2 कानून का पालन नहीं करना व लागू नहीं करवाना	• ~~पदीय कर्तव्य की अनदेखी~~ • निःसंतान माता-पिता को	• पदीय कर्तव्य की अनदेखी होगी अतः विभागीय कार्यवाही

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

	संतान की प्राप्ति संभव होगी • व्यावसायिक स्वतंत्रता बनी रहेगी	की संभावना हो सकती है। • गरीब महिलाएं केवल मजबूरी में यह गतिविधियां करती रहेगी।
(3) कानून का पालन इस प्रकार करवाना की गैर रिश्तेदार को भी फायदा हो सके	• कानून का शासन बना रहेगा • निःसंतान माता-पिता को संतान की प्राप्ति संभव हो पाएगी	• महिलाओं को रोजगार की हानि व आजीविका का संकट हो सकता है

↳ चूंकि कानून में व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध है किन्तु परोपकारी सरोगेसी पर प्रतिबंध नहीं है अतः निःसंतान माता-पिता यह विकल्प अपना सकता है

↳ गैर रिश्तेदार पर भी यह विकल्प अपना सकती है किसी महिला रिश्तेदार की तलाश कर सकते है जो यह परोपकार कर सके। या फिर स्वयं 'दुधानी' भी यह परोपकार कर सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तथा इस गरीब महिला के लिए इकलौते बच्चे के स्वास्थ्य के संदर्भ में 'आयुष्मान भारत – जन आरोग्य योजना' के तहत सर्जरी करवाई जा सकती है ताकि समस्या का समाधान हो सके।

कानून का पालन साध्य व साधन की दृष्टि से भी उचित होने पर ही लक्ष्य को प्राप्त कर [illegible] पाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. एक प्रतिष्ठित निजी दवा कंपनी जेनेरिक दवाओं के विनिर्माण के व्यवसाय में संलग्न है। आपने इस कंपनी में दो महीने पहले क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफिसर के पद पर ज्वाइन किया था। आप बुजुर्ग माता-पिता, एक पत्नी और दो बच्चों के साथ एक विनम्र परिवार से ताल्लुक रखते हैं। विभिन्न परीक्षाओं और संघर्षों में कई असफलताओं के बाद आपको यह नौकरी मिली है।

कंपनी ने आपको एक अफ्रीकी देश को निर्यात की जाने वाली जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता पर रिपोर्ट तैयार करने का एक बड़ा काम दिया है। डेटा का विश्लेषण करते समय आपने पाया कि दवाओं में उपयोग होने वाला सॉल्वेंट जेनेरिक दवा की एक्सपायरी डेट से पहले ही एक्सपायर हो जाएगा। आपने इस दिशा में एक रिपोर्ट तैयार की है, जिसमें इन जेनेरिक दवाओं की कमी को दर्शाया गया है। आपके वरिष्ठ ने आपको रिपोर्ट में आवश्यक परिवर्तन लाने और नियामक मानकों को पूरा करने वाली रिपोर्ट तैयार करने के लिये कहा। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आपकी परिवीक्षा अवधि अगले महीने समाप्त हो रही है और आपके द्वारा बनाई गई इस रिपोर्ट का प्रभाव आपके करियर पर नकारात्मक रूप से पड़ सकता है।

उपरोक्त केस स्टडी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (250 शब्द) 20

(a) इस मामले में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) आपके सामने संभावित विकल्प क्या हैं?

(c) इस मामले में आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और इसके कारण बताइये?

A reputed private pharmaceutical company is in the business of manufacturing generic drugs. You joined this company two months ago in the post of Quality Management officer. You belong to a humble family with elderly parents, a wife and two children. After many failures in various exams and struggles, you got this job.

The company has given a big assignment to you to prepare a report on the quality of generic drugs that are scheduled to be exported to an African country. While analyzing the data you found that the solvent used in drugs would expire before the expiry date of the generic drug itself.

You have prepared a report in this direction that shows the deficiency of these generic drugs. Your superior told you to bring the necessary changes in the report and prepare a report which meets the regulatory standards. He also highlighted that your probation period is ending next month and your report can have an impact on the trajectory of your career with this company.

Answer the following questions based on the above case study:

(a) What are the ethical issues involved in this case?

(b) What are the possible options in front of you?

(c) Which option will you choose in this case and provide reasons for it?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपर्युक्त केस स्टडी पदीय कर्तव्य व व्यक्तिगत हित के बीच के नैतिक द्वंद्व की स्थिति को दर्शा रही है।

नैतिक मुद्दे

हितधारक — हित

① 'मैं' → क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफिसर के पदीय कर्तव्य
→ कई असफलताओं के बाद जॉब मिलना।
→ पारिवारिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना
→ करियर के नकारात्मक रूप से प्रभावित होने की संभावना
→ रिपोर्ट का निर्गत करवाना।

② कंपनी → उत्पाद व कंपनी की प्रतिष्ठा
→ लोगों व सार्वजनिक हित के प्रति जिम्मेदारी
↳ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात गुणवत्ता का प्रश्न खड़ा हो सकता है।
↳ आर्थिक लाभ व कंपनी के हित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) देश – अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि भारत वर्तमान में अफ्रीका में अपनी सॉफ्ट पावर बढ़ाने के 'विशेष प्रयास' कर रहा है तथा WTO के मंच पर भी छवि खराब होगी।

(B) संभावित विकल्प

- रिपोर्ट तैयार नहीं करना तथा जो चल रहा उसे वैसा ही चलने दिया जाए
  इससे लाभ → कंपनी के आर्थिक लाभ बने रहेंगे
  → करियर पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ने की संभावना
  हानि → मामले के उजागर होने पर कंपनी व देश व क्वालिटी मैनेजमेंट ऑफिसर पर प्रश्न खड़े होंगे
  → सार्वजनिक नैतिकता की उपेक्षा होगी
  → लोगों के स्वास्थ्य से समझौता होगा।
- रिपोर्ट का निर्माण करना किन्तु आंकड़ों व तथ्यों के साथ छेड़छाड़ करना ताकि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

कंपनी की छवि बनी रही तथा करियर पर नकारात्मक प्रभाव भी न पड़े।

(C) • वास्तविक तथ्यों, आंकड़ों के साथ रिपोर्ट तैयार करना और सामने खड़ी चुनौतियों का सामना करना

(गुण) – कंपनी के पास विकल्प होगा कि वह गलती सुधार ले ताकि जनता के स्वास्थ्य से समझौता न हो तथा प्रतिष्ठा भी बनी रही।

(दोष) – मेरे करियर का नकारात्मक रूप से शायद प्रभावित कर सकता है किन्तु दीर्घकाल में इसके भी फायदे हो सकते क्योंकि रिपोर्ट के साथ पूरी पारदर्शिता रखी गई अतः करियर की संभावनाएं मौजूद रहेगी।

विकल्प के तौर पर मैं अंतिम विकल्प अपनाना चाहूँगी ताकि अपने पदीय कर्तव्य व सार्वजनिक कर्तव्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दोनों का एक साथ निर्वहन कर सकें।

कारण → • लोगों के स्वास्थ्य समझौता करके कीमत को महत्व नहीं दिया जाना चाहिए

• अल्पकालिक हित हेतु दीर्घकालिक संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है

यहां कंपनी का दायित्व है कि अपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को बेहतर करे तथा अपनी निर्गमित सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation